साप्ताहिक न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

महत्वपूर्ण एवं खास

राष्ट्रीय बैडमिंटनः साइना-सिंधु सेमीफाइनल में

नागपुर , (आरएनएस)। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और साइना नेहवाल ने सोमवार को यहां चल रही 82वीं सीनियर चैंपियनशिप के सेमीफाइनल का टिकट कटा लिया। दुनिया के नंबर एक पुरुष खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत भी जीत के साथ अंतिम चार में पहुंच गए। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता और दूसरी वरीय साइना ने क्वार्टर फाइनल में आकर्षि कश्यप को 21-17, 21-10 से पराजित किया। साइना को इस मैच को जीतने में कोई परेशानी नहीं हुई और उन्होंने आसानी से अगले दौर में जगह बना ली, जहां उनकी भिड़ंत टूर्नामेंट की पांचवीं वरीयता प्राप्त अनुरा प्रभुदेसाई से होगी। अनुरा ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सैली राणा को 21-19, 21-9 से हराया। रियो ओलंपिक की रजत विजेता और शीर्ष वरीय सिंधु ने सातवीं वरीय श्रेयांशी परदेशी को 21-11, 21-17 से शिकस्त दी। सिंधु ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए लगातार दो गेमों में ही मुकाबला जीत लिया। अगले दौर में भी उनको चुनौती मिलने के आसार कम ही हैं। पुरुष वर्ग में शीर्ष भारतीय शटलर श्रीकांत ने शुभम प्रजापति को 21-17, 23-21 से हराया। अगले दौर में श्रीकांत का सामना दुनिया के नंबर एक जूनियर खिलाड़ी लक्ष्य सेन से होगा, जोकि अजय जयराम के एड़ी में चोट के चलते रिटायर होने से आगे बढ़े। दूसरे सेमीफाइनल में एचएस प्रणय और शुभांकर डे आमने-सामने होंगे। प्रणय ने क्वार्टर फाइनल में पी कश्यप को 22-20, 21-19 से, जबकि शुभांकर ने बी साई प्रणीत को 13-21, 21-18, 22-20 से उलटफेर का शिकार बनाया। मिक्स्ड डबल्स में सात्विक साईराज और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने शिवम शर्मा और पूर्विशा एस राम की जोड़ी को 21-14, 21-12 से मात दी।

मेसी अपने 600वें मैच में नहीं कर सके गोल, लेकिन फिर भी जीत गई बार्सिलोना

बार्सिलोना ,(आरएनएस)। अपना 600वां मैच खेल रहे लियोनल मेसी के लिए जैसे यह मैच दूसरे मैचों जितना ही खास था. मेसी खेले, बढ़िया ही खेले, और उम्मीदों के मुताबिक ही खेले. लेकिन गोल नहीं कर सके. उनकी टीम बार्सिलोना ने मैच जीत लिया जो कि इस सत्र में शुरुआती 11 लीग मैचों में यह 10वीं जीत है. लेकिन वे खुद के लिए इस मैच को इतना यादगार नहीं बना सके क्योंकि वे खुद कोई भी गोल नहीं कर पाए. उनकी टीम से उनके लिए गोल किए अपाको अल्कासेर ने. अल्कासेर के इन दोनों गोलों की बदौलत स्पेनिश लीग में बार्सिलोना ने सेविला को 2-1 से हराया और इस जीत के साथ बार्सिलोना अंकतालिका में शीर्ष पर बना हुआ है. यह बार्सिलोना के लिए मेसी का 600वां मैच था. समाचार एजेंसी एफे के अनुसार, इस जीत के बाद बार्सिलोन के 31 अंक हो गए है और वह दूसरे स्थान पर चल रही वालेंसिया से 4 अंक आगे है. बार्सिलोना ने मैच के पहले हाफ में अपना दबदबा बनाए रखा और मेसी ने पूरे मैच में अपने नाम के अनुरुप प्रदर्शन किया. लेकिन दूसरे हाफ के शुरुआती क्षणों में वालेंसिया को वापसी के मौके भी दिए. मैच के 23वें मिनट में अल्कासेर ने पहला गोल किया. दूसरे हाफ में सेविला के गुइडो पिजारो ने बार्सिलोना की कमजोर शुरुआत का फायदा उठाते हुए 58वें मिनट में गोल कर स्कोर को 1-1 कर दिया. अल्कासेर ने 65वें मिनट में बार्सिलोना के लिए दूसरा गोल कर अपनी टीम को 2-1 से आगे कर दिया. इस बढ़त को बरकरार रखते हुए बार्सिलोना ने जीत दर्ज की. इस जीत की बदौलत बार्सिलोना ने रीयाल मैड्रिड पर 11 अंक की बढ़त बना रखी है जो आज लास पेल्मास से भिड़ेगा.

दोहरे शतक से चूके एबी डि विलियर्स, सहवाग बोले नजर लग गई

नई दिल्ली,(आरएनएस)। साउथ अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में 50 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 353 रन बनाए। बोलैंड पार्क में खेले जा रहे इस मैच में साउथ अफ्रीका की ओर एबी डि विलियर्स ने सबसे ज्यादा 176 रन बनाए। उन्होंने 104 गेंदों का सामना किया और अपनी पारी में 15 चौके और सात छक्के लगाए। डि विलियर्स के पास इस मैच में दोहरा शतक लगाने का मौका था। वह 47.4 ओवर में रूबेल हसन का शिकार बने। डि विलियर्स जिस अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे थे उन्हें देखकर लग रहा था कि वह वनडे इंटरनैशनल में दोहरा शतक लगाने वाले पहले साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज बन सकते थे। भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंदर सहवाग भी डि विलियर्स की पारी का आनंद उठा रहे थे। उन्होंने ट्वीट कर कहा- गौरतलब है कि वनडे क्रिकेट में अभी तक कुल पांच बल्लेबाजों, सचिन तेंडुलकर, वीरेंदर सहवाग, क्रिस गेल, रोहित शर्मा और मार्टिन गप्टिल ने दोहरे शतक लगाए हैं। इनमें रोहित शर्मा ने दो बार यह कारनामा किया है। एक बात और ध्यान देने वाली है कि ये सभी सलामी बल्लेबाज हैं। साउथ अफ्रीका ने इस मैच में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। हाशिम अमला और क्विंटन डि कॉक ने मिलकर पहले विकेट के लिए 90 रन जोड़े। कप्तान फाफ डु प्लेसिस हालांकि खाता नहीं खोल पाए लेकिन अमला और डि विलियर्स ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 136 रन जोड़े। डि विलियर्स के रूप में साउथ अफ्रीका को चौथा झटका लगा।

वनडे इंटरनैशनल में दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज

200* सचिन तेंडुलकर (भारत) बनाम साउथ अफ्रीका, 24 फरवरी 2010
219 वीरेंद्र सहवाग (भारत) बनाम वेस्ट इंडीज, 8 दिसंबर 2011
209 रोहित शर्मा (भारत) बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2 नवंबर 2013
264 रोहित शर्मा (भारत) बनाम श्री लंका, 14 नवंबर 2014
215 क्रिस गेल (वेस्ट इंडीज) बनाम जिम्बाब्वे, 24 फरवरी 2015
237* मार्टिन गप्टिल (न्यू जीलैंड) बनाम वेस्ट इंडीज, 22 मार्च 2015

सुप्रीम कोर्ट ने जेपी से कहा, 2000 करोड़ तैयार रखो

नई दिल्ली , (आरएनएस)। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को जेपी असोसिएट्स से अगली सुनवाई तक 2,000 करोड़ रुपये तैयार रखने के लिए कहा है। कंपनी ने शुक्रवार तक 400 करोड़ रुपये की किश्त जमा करने की अनुमति मांगी थी, जिसे अदालत ने नहीं माना। सुप्रीम कोर्ट ने कंपनी को अगली सुनवाई तक 2,000 करोड़ की रकम का बंदोबस्त करने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा, न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर और न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ की तीन सदस्यीय पीठ ने रियल एस्टेट प्रमुख से पैसा तैयार रखने के लिए कहा है। कंपनी के वकील अनुपम लाल दास ने कहा था कि वह पास 50 करोड़ रुपये तुरंत देने के लिए तैयार हैं और शुक्रवार तक 350 करोड़ रुपये की व्यवस्था हो जाएगी, लेकिन अदालत ने इससे इनकार कर दिया। दास ने कहा था कि जेपी असोसिएट्स जनवरी 2018 से हर महीने 400 करोड़ रुपये जमा करेगा। शीर्ष अदालत ने नैशनल कंपनी लॉ ट्राइब्यूनल (एनसीएलटी) की इलाहाबाद पीठ के आदेश के मुताबिक रियल एस्टेट कंपनी को घर खरीदने वालों के हितों की रक्षा के लिए 2,000 करोड़ रुपये जमा करने का निर्देश दिया। आईडीबीआई ने कंपनी द्वारा लिए गए ऋण का भुगतान नहीं करने पर नैशनल कंपनी लॉ ट्राइब्यूनल का दरवाजा खटखटाया था। गौरतलब है कि जेपी पर खरीदारों से पैसा लेकर घर नहीं देने के आरोप है।

सोयाबीन और पामोलीन तेल की कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली,(आरएनएस)। कमजोर मांग के कारण राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के थोक तेल तिलहन बाजार में आज सोयाबीन और पामोलीन तेल की कीमतों में 50 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट आई। हालांकि सीमित सौदों के बीच अन्य खाद्य एवं अखाद्य तेल की कीमतें सीमित दायरे में घट बढ़ के बाद लगभग पूर्वस्तर पर ही बंद हुई।विक्रेताओं की सुस्त मांग के कारण मुख्यतः सोयाबीन और पामोलीन तेल की कीमत में गिरावट आई। राष्ट्रीय राजधानी, दिल्ली में सोयाबीन रिफाइंड मिल डिलीवरी :इंदौरः और सोयाबीन देगम :कांडलाः तेल की कीमत 50 .. 50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 7,050 रुपये और 6,650 रुपये प्रति क्विन्टल रह गयी।

मोबाइल नंबर के आधार लिंकेज पर टेलिकॉम डिपार्टमेंट ने तेज की पहल

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। कन्ज्यूमर्स बिना रीटेल आउटलेट गए आसानी से आधार के जरिए अपने मोबाइल नंबर को री-वेरिफाई कर सकेंगे। इसके लिए टेलिकॉम डिपार्टमेंट ने पहल तेज कर दी है। डिपार्टमेंट ने इस मामले में कई मीटिंग की हैं। इनमें से आखिरी मीटिंग पिछले शुक्रवार को हुई, जिसमें कंपनियों से इस पर प्रस्ताव मांगा गया। इसमें कंपनियों ने बताया है कि कन्ज्यूमर्स को री-वेरिफिकेशन के लिए क्या करना होगा। इन प्रस्तावों को अब यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) को सौंपा जा रहा है। डिपार्टमेंट के एक बड़े अधिकारी ने बताया, यू आई डीएआई को हमने प्रोसेस के बारे में सुझाव दे दिया है। अब वह टेलिकॉम डिपार्टमेंट के साथ मिलकर इसे अंतिम रूप देगा। उन्होंने बताया कि टेलिकॉम कंपनियों के अधिकारियों ने भी इस सिलसिले में डिपार्मटमेंट के अफसरों से मुलाकात की थी। अधिकारी ने बताया, हम इस हफ्ते प्रोसेस को मंजूरी देना चाहते हैं। इस मामले में एक बड़ी टेलिकॉम कंपनी के बड़े अफसर ने बताया कि सरकार इस प्रोसेस पर जल्द से जल्द अमल चाहती है। यहां तक कि यूआईडीएआई ने भी ट्विटर पर बताया था कि लोग आधार के तहत रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) हासिल करके उसके जरिए मोबाइल नंबर को वेरिफाई कर सकेंगे। यह काम 1 दिसंबर से किया जा सकेगा। उन्होंने कहा, प्रोसेस कंप्लीट करने में हमें कुछ दिन लगेंगे, लेकिन इसके ट्रायल में कुछ हफ्तों का वक्त लग सकता है। टेलिकॉम कंपनियों ने एक सुझाव दिया है टेलिकॉम कंपनी इसे चेक करने के लिए यूआईडीएआई के साथ मिलकर काम करेगी। इसमें देखा जाएगा कि क्या यूआईडीएआई के पास जो आधार नंबर रजिस्टर्ड है, यह उससे मैच करता है? इससे री-वेरिफिकेशन प्रोसेस पूरा हो जाएगा। उसने आईआर आईएस और घर जाकर वेरिफिकेशन प्रोसेस को भी मंजूरी दी है। मोबाइल नंबर का वेरिफिकेशन करा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा था कि बैंक और मोबाइल फोन कंपनियां आधार से लिंक नहीं करने पर बैंक एकाउंट और फोन नंबर को डीएक्टिवेट करने की चेतावनी दे रहे हैं। इससे लोगों में अफरातफरी बढ़ी है।

महिला हॉकी टीम के कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, गौरवान्वित पिता जैसा महसूस कर रहा हूं

काकामिगहरा(आरएनएस) । पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम और अब महिला हॉकी टीम ने अच्छा प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया है। पिछले साल जूनियर पुरूष टीम को विश्व कप दिलाने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम को 13 साल बाद एशिया कप जिताने वाले कोच इतने से संतुष्ट नहीं हैं। टीम के कोच हरेंद्र सिंह उपलब्धियों से संतुष्ट होने वाले कोचों में से नहीं है और उनका कहना है कि इस टीम से अब उन्हें हर टूर्नामेंट में पदक चाहिये। पिछले साल दिसंबर में लखनऊ में जूनियर टीम ने हरेंद्र के मार्गदर्शन में वर्ल्ड कप जीता और अब महिला टीम ने 2004 के बाद पहली बार एशिया कप अपने नाम किया है। आपको बता दें कि जापान के काका मिगहरा में खेले गए टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली चीन की टीम को पेनल्टी शूटआउट में हराया। महिला टीम के साथ हरेंद्र का बतौर कोच यह पहला टूर्नामेंट था। उन्होंने जीत के बाद काकामिगहरा से दिए इंटरव्यू में कहा, मैं इस फलसफे को नहीं मानता कि जीत-हार से ज्यादा अहम भागीदारी है। मुझे इस टीम से हर टूर्नामेंट में पदक चाहिये। हरेंद्र बोले कि मैं एक जीत से संतुष्ट होने वालों में से नहीं हूं।फाइनल मैच से पहले क्या उन्होंने चक दे इंडिया जैसा कोई 70 मिनट वाला भाषण टीम को दिया था, हरेंद्र ने इससे इनकार किया। उन्होंने कहा कि मैं चक दे इंडिया का बड़ा फैन नहीं हूं। मैंने कोई 70 मिनट वाली स्पीच नहीं दी लेकिन इतना जरूर कहा कि आपने पदक तो पक्का कर लिया है। इसका रंग आपको तय करना है। कोच ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी स्वर्ण के लिये ही खेलेंगी। खिताबी जीत का उनके परिवारों के लिये क्या महत्व है यह मैं जानता हूं क्योंकि अधिकांश खिलाड़ी गरीब घरों से आई हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने टीम को प्रतिद्वंद्वी की रैंकिंग से नहीं घबराने का हौसला दिया था। हरेंद्र बोले कि जब मैं लड़कियों की टीम का कोच बना तो सबसे ज्यादा खुश मेरी बेटी ही थी। वह आज मेरे साथ नहीं थी लेकिन इन 18 लड़कियों ने मुझे गले लगकर बधाई दी तो गौरवान्वित पिता की तरह महसूस हुआ। यही मेरे लिये सबसे बड़ा जश्न था।

15 साल में 4 लाख करोड़ के निवेश से 100 नए हवाईअड्डे बनेंगे

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारत भविष्य की मांग पूरी करने के लिए 4 लाख करोड़ रुपये के निवेश से 15 साल में 100 नए हवाईअड्डे बनाना चाहता है। नागर विमानन राज्य मंत्री जयंत सिन्हा ने यह जानकारी दी है। 100 में से 70 हवाईअड्डे ऐसी जगहों पर बनेंगे, जहां अभी यह सुविधा नहीं है। 30 सेकंड एयरपोर्ट होंगे यानी मौजूदा एयरफील्ड्स को बढ़ाकर उन्हें कमर्शल फ्लाइट्स हैंडल करने लायक बनाया जाएगा। सिन्हा ने एक इंटरव्यू में कहा, पहले एयरपोर्ट को लेकर जो प्लान बनाए जाते थे, उनमें डिवेलपमेंट वर्क पूरा होने तक वह फुल कपैसिटी पर काम करने लगता था। उन्होंने बताया, हमें भविष्य के बारे में सोचना होगा और लॉन्ग टर्म नजरिये के साथ यह काम करना होगा। हमें 100 नए हवाई अड्डों की जरूरत है क्योंकि देश में एविएशन सेक्टर की ग्रोथ तेज है। भारत में अभी 100 हवाईअड्डे ऑपरेशनल हैं। डमेस्टिक पैसेंजर ग्रोथ के लिहाज से यह दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला मार्केट है। इसका फायदा उठाने के लिए इंडिगो और स्पाइसजेट सिंगल आइल एयरक्राफ्ट के अलावा 100 छोटे प्लेन अपने बेड़े में जोड़ने जा रही हैं। सरकार 2,500 रुपये के रियायती किराये पर हवाई यात्रा की स्कीम भी लेकर आई है। इसके तहत एयरलाइंस कंपनियां उन लोकेशंस के लिए फ्लाइट शुरू करेंगी, जहां अभी ऐसी सर्विस नहीं है या बहुत कम है। इससे भी एविएशन सेक्टर की ग्रोथ बढ़ेगी। सिन्हा ने बताया कि एयरपोर्ट डिवेलपमेंट प्लान में प्राइवेट सेक्टर का बड़ा रोल होगा। उन्होंने बताया कि जयपुर, गुवाहाटी, पुणे, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, गोवा सहित अन्य शहरों में 30 सेकंड एयरपोर्ट बनाए जाएंगे या मौजूदा एयरफील्ड्स का विस्तार किया जाएगा। सिन्हा ने कहा कि 100 हवाई अड्डों में से ज्यादातर ऐसे शहरों में बनाए जाएंगे, जहां इसके लिए काफी संभावना है। इस संदर्भ में उन्होंने खड़गपुर का जिक्र किया। वहीं, विमानन मंत्रालय के एक बड़े अधिकारी ने बताया, हम अधिक से अधिक शहरों को हवाई यात्रा से जोड़ना चाहते हैं। सिन्हा ने कहा कि हवाई अड्डों के विकास को लेकर केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर कई मॉडल्स पर काम कर रही है। इससे तेजी से जमीन खरीदी जा सकेगी। अक्सर जमीन मिलने में देरी के चलते इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट्स समय पर पूरे नहीं हो पाते। जयंत ने आगे बताया, जमीन राज्यों का विषय है। हम जमीन खरीदने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए इनोवेटिव मॉडल ला सकते हैं। लैंड पूलिंग या जमीन मालिकों को नए एयरपोर्ट प्रॉजेक्ट्स में हिस्सेदार बनाकर यह काम किया जा सकता है। राज्य सरकारों के साथ जॉइंट वेंचर के जरिए भी यह काम तेजी से हो सकता है। मंत्रालय इन सभी उपायों पर विचार कर रहा है। एक एयरपोर्ट के लिए 400 से 5,00 एकड़ जमीन की जरूरत पड़ती है।

डीजीसी में पहली जीत का सपना पूरा किया

नई दिल्ली , (आरएनएस)। जिस क्लब में गोल्फ देखकर और खेलकर शिव कपूर बड़े हुए तो दिल्ली गोल्फ क्लब (डीजीसी) में खिताब जीतना तो सपना ही बन गया. उन्होंने अपने सपने को पाला और लक्ष्य बनाया. यहां तक कि उन्होंने जब तक खिताब जीत न लिया तब तक उन्हें यकीन नहीं हुआ कि उनका सपना पूरा हो गया. और उनका सपना पूरा होने के गवाह बने तीन महीने की बेटी वेदा और पत्नी माया. जीत के बाद उन्होंने कहा कि कोई शब्द यह नहीं बता सकते कि मैं कैसा महसूस कर रहा हूं. उन्होंने रविवार को पैनासोनिक ओपन का खिताब अपने नाम किया. कपूर ने चौथे एवं अंतिम दिन चार अंडर 68 का स्कोर किया. उन्होंने 17 अंडर 271 के कुल स्कोर के साथ खिताब पर कब्जा जमाया. यह कपूर की कुल तीसरी और इस साल दूसरी एशियन टूर जीत है. वह अपने घरेलू क्लब डीजीसी में एशियन टूर का पहला खिताब जीतने में सफल रहे हैं. दूसरे स्थान पर सात खिलाड़ी रहे जिसमें से छह खिलाड़ी भारत के हैं. इन खिलाड़ियों में चिराग कुमार (64),अजीतेश संधू (65),करणदीप कोचर (66),एसएसपी चौरसिया (69),ओम प्रकाश चौहान (69), सुधीर शर्मा '(69)और पॉल पीटरसन (71) के नाम शामिल हैं. शमिम खान(72)और हनी बसोया(68)संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर रहे. घरेलू कोर्स पर खिताब जीतने का अपना वर्षों पुराना सपना साकार करने के बाद भावुक शिव कपूर ने कहा कि उनके पास इस जीत को बयां करने के लिए शब्द नहीं है. कपूर ने 11वें, 12वें, 14वें और 15वें होल पर तीन बर्डी लगाई. जीत के बाद कपूर ने कहा, इस कोर्स पर काफी उतार-चढ़ाव थे और एक होल पर खराब खेल आपकी राह मुश्किल कर सकता था. कपूर ने कहा, 11वें और 12वें होल पर बर्डी ने मुझे आत्मविश्वास दिया. 14वें होल पर खड़े होकर मैंने अपने आप से कहा कि यह टूर्नामेंट मेरा है. जब 14वें और 15वें होल पर बर्डी लगाई तो मैंने अपने आप से कहा कि अब मुझे संभल कर खेलना होगा. कपूर ने कहा, ''यह शानदार अहसास है. जब मैं 18वें होल पर था तो मैं अपनी भावनाओं को काबू करने का प्रयास कर रहा था. मेरे पास शब्द नहीं थे, आप जीतने का सपना देखते हैं, आप चीजों की योजना बनाते हैं, लेकिन मैं अपने करियर में कभी इतने आगे तक नहीं गया इसलिए मैंने कभी अपने जीवन में स्पीच तैयार नहीं की.'' उन्होंने कहा, ''मैं यहां गोल्फ खेलते हुए बड़ा हुआ और स्वयं से कहा कि मुझे एक दिन दिल्ली गोल्फ क्लब में खिताब जीतना है. इसलिए कोई शब्द यह नहीं बता सकते कि मैं कैसा महसूस कर रहा हूं जब मैं 18वें होल के लिए आ रहा था जो जिस तरह मेरा स्वागत हुआ वह शानदार था.''

स्पीड बढ़ाने के नाम पर 48 ट्रेनों का बढ़ा किराया

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। इंडियन रेलवे ने जिन 48 मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को सुपरफास्ट घोषित किया, उनके किराए भी बढ़ा दिए गए हैं। अब इन ट्रेनों से यात्रा करने पर स्लीपर के लिए 30 रुपये, सेकंड और थर्ड एसी के लिए 45 रुपये और फर्स्ट एसी के लिए 75 रुपये अतिरिक्त सुपरफास्ट चार्ज देना होगा। इन 48 ट्रेनों की किराया वृद्धि से रेलवे को 70 करोड़ रुपये की कमाई होने की उम्मीद है। 48 ट्रेनों को अपग्रेड करने के बाद सुपरफास्ट ट्रेनों की संख्या अब 1,072 हो गई है। अब इन ट्रेनों से यात्रा मंहगी नई सुपरफास्ट ट्रेनों में ये ट्रेनें शामिल हैं- पुणे-अमरावती एसी एक्सप्रेस, पाटलीपुत्र-चंडीगढ़ एक्सप्रेस, विशाखापत्तनम -नांदेड़ एक्सप्रेस, दिल्ली -पठानकोट एक्सप्रेस, कानपुर -उधमपुर एक्सप्रेस, छपरा-मथुरा एक्सप्रेस, रॉक फोर्ट चेन्नै-तिरुचिलापल्ली एक्सप्रेस, बेंगलुरु-शिवमोगा एक्सप्रेस, टाटा-विशाखापत्तनमएक्सप्रेस, दरभंगा-जालंधर एक्सप्रेस, मुंबई-मथुरा एक्सप्रेस, मुंबई-पटना एक्सप्रेस। बिना सुविधा दिए सुपरफास्ट चार्ज वसूलता है रेलवे ध्यान देनेवाली बात यह है कि रेलवे ने इन ट्रेनों की स्पीड महज 5 कि.मी/घंटा की दर से बढ़ाकर 50 से 55 कि.मी./घंटा की है। इसके सिवा किसी दूसरी सेवा में कोई सुधार नहीं किया गया है। हालांकि इसकी कोई गारंटी नहीं है कि अपग्रेड होने के बाद ये ट्रेनें समय पर चलने लगेंगी। वैसे भी सर्दी के मौसम में कोहरे की वजह से ट्रेनों की लेट-लतीफी आम बात हो जाती है। हाल यह है कि अभी राजधानी, दुरंतो और शताब्दी समेत कई टॉप की ट्रेनें लगातार लेट हो रही हैं। यह सुपरफास्ट ट्रेनों की हालत नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने जुलाई महीने में पेश अपनी पिछली रिपोर्ट में सुपरफास्ट चार्ज पर रेलवे की कड़ी आलोचना की। कैग ने कहा, जांच के दौरान पाया गया कि 2013-14 से 2015-16 के बीच उत्तर-मध्य और दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों से 11.17 करोड़ रुपये सुपरफास्ट चार्ज वसूले गए, जुलाई में 129, अगस्त में 145 और सितंबर में 183 सुपरफास्ट ट्रेनें एक से तीन घंटे की देरी से चली थीं। हालांकि, जुलाई महीने में 31 और अगस्त महीने में 37 सुपरफास्ट ट्रेनें अपने शेड्यूल से 3 घंटे से भी ज्यादा लेट थीं। सीएजी ने लगाई लताड़ कैग ने पिछली रिपोर्ट में रेलवे की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यात्रियों से सुपरफास्ट चार्ज तो वसूल लिए जाते हैं, लेकिन ट्रेनें तय रफ्तार से नहीं चलती हैं और न ही अन्य वांछित सुविधाएं ही दी जाती हैं। कैग ने यह भी कहा कि रेलवे बोर्ड ने सुपरफास्ट सेवाएं नहीं मिलने की स्थिति में यात्रियों को सुपरफास्ट चार्ज वापस करने का नियम नहीं बनाया है।15 मिनट की देरी, यानी ऑन टाइम! रेलवे के नियमों के मुताबिक, 15 मिनट की देरी को देरी नहीं माना जाता है। यानी जो ट्रेन तय वक्त से 15 मिनट लेट पहुंचती है,